राज एक्सप्रेस
सच कहने का साहस और सलीका

Anuppur : नकली बीड़ी बिक रही मनोहर के नाम पर

अनूपपुर, मध्यप्रदेश : करोड़ों की राजस्व चोरी के साथ बाजार में जमाया कब्जा, कालाबाजारी के इस खेल में व्यापारी और दुकानदार शामिल।

नकली बीड़ी बिक रही मनोहर के नाम परSitaram Patel

Published on : 31 Jan, 2022, 1:08 am

अनूपपुर, मध्यप्रदेश। जिले के लगभग ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों पर इन दिनों मनोहर बीड़ी की डुप्लीकेसी चरम पर है। ना सिर्फ यहां पर लोगों को डुप्लीकेट बीड़ी पिलाई जा रही है बल्कि इसका व्यापार भी ओरिजिनल से अधिक तक पहुंच चुकी है क्योंकि ओरिजिनल बीड़ी की कीमत लगभग 370 रूपए तक की है, वही डुप्लीकेट मनोहर बीड़ी 240 रूपए में बड़े दुकानदारों से लेकर छोटे-छोटे फेरी करने वाले दलालों तक आसानी से उपलब्ध हो जा रही है। निश्चित तौर पर ओरिजिनल मनोहर बीड़ी जिसे कई वर्षों से पूरे संभाग में धूम्रपान प्रेमियों के द्वारा नंबर वन का तमगा दिया गया था इस समय लगातार शिकायतों का अंबार धूम्रपान प्रेमियों से मिलता रहता है इस पर जब राज एक्सप्रेस ने पड़ताल की तो पाया कि लगभग मार्केट में 80 प्रतिशत डुप्लीकेट ने अपना पैर पसार लिया है इसके साथ ही करोड़ों रुपए का राजस्व सरकार को प्राप्त होने वाली मनोहर बीड़ी की खपत घटने से मिलने वाले कर भी कम होने लगा है सबसे ज्यादा राजस्व देने वाली मनोहर बीड़ी पर बड़े बड़े दलाल सक्रिय होकर पूरे बाजार को गंदा कर लाखों रुपए की आय बटोरने में लगे हैं।

कोतमा में उतरता है जखीरा :

जिस मनोहर बीड़ी की तूती पूरे संभाग में बोलती थी आज उसी बीड़ी की कालाबाजारी करके लाखों कमाया जा रहा है और खबर है कि कोतमा शहर के दो व्यक्ति मिलकर मनोहर बीड़ी के ओरिजिनल अस्तित्व को खत्म करते हुए नकली बीड़ी की बिसात बिछा कर लाखों का वारा न्यारा प्रतिदिन कर रहे हैं कोतमा के ठिकाने पर कच्चे बीड़ी की सप्लाई के साथ साथ मनोहर बीड़ी के रैपर लगाने का काम बखूबी तरीके से किया जा रहा है इन दोनों व्यापारिक भाइयों के द्वारा कोतमा शहर से ही छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़ तक और मुख्यालय अनूपपुर के शहरी क्षेत्रों के अलावा ग्रामीण क्षेत्र में डुप्लीकेट बीड़ी भिजवाई जा रही है खबर है कि इसके पीछे कोतमा के किसी राजनीतिक व्यक्ति की ताकत भी लगी हुई है जिससे डुप्लीकेट बीड़ी और तंबाकू सिगरेट के उत्पाद पर लगाम भी नहीं लगाई जा रही है बल्कि समय-समय पर नेताओं के साथ अधिकारियों की भी भरपाई कर दी जा रही है इसलिए डुप्लीकेट मनोहर बीड़ी के लिए कोतमा शहर छाई हुई है।

सैकड़ों प्रतिष्ठानों पर डुप्लीकेट मनोहर :

मनोहर बीड़ी की डुप्लीकेसी इतनी जोरों पर है कि मुख्यालय को छोड़कर कोतमा शहर में कच्चे माल उतरवाकर बकायदा राय पर लगाते हुए डुप्लीकेट कार्य को अंजाम दिया जा रहा है। जिस पर ओरिजिनल बीड़ी के एक पैकेट पर लगभग 150 से लेकर 170 तक की मोटी कमाई की जा रही है खबर है कि कोतमा शहर के डुप्लीकेट बीड़ी के व्यापारी अनूपपुर मुख्यालय के अलावा पूरे कोतमा शहर, बिजुरी, राजनगर, भालूमाडा, जैतहरी, पसान जमुना से लेकर छत्तीसगढ़ के समीप बॉर्डर तक पैर पसार चुके हैं और सैकड़ों लेबर लगा कर दिन रात रे पर चिपकाने का काम बखूबी रूप से करते हुए लाखों करोड़ों का वारा न्यारा कर रहे हैं निश्चित रूप से अनूपपुर जिले के सैकड़ों प्रतिष्ठानों पर जांच की जाए तो मनोहर बीड़ी की जगह डुप्लीकेट बीड़ी मिल सकते हैं इसके अलावा यहां पर कई तंबाकू उत्पाद के डुप्लीकेट वस्तुएं भी प्राप्त की जा सकती है जिसे बड़े ही आराम से अंजाम दिया जा रहा है क्योंकि ओरिजिनल बीड़ी बेचने वाले आराम से सो रहे हैं और डुप्लीकेट काम करने वाले जागकर।

कंपनी के कर्मचारी डुप्लीकेसी पर नाकाम :

अनूपपुर जिले सहित आसपास के तीनों जिलों पर एक नंबर बीड़ी का तमगा ली है मनोहर बीड़ी नंबर वन की स्थिति पर आज भी है लेकिन डुप्लीकेसी के कारण धूम्रपान प्रेमियों को भी खराब तंबाकू सेवन करने पर मजबूर होना पड़ रहा है इसके लिए सिर्फ ग्राहक ही जिम्मेदार नहीं होते बल्कि लाखों करोड़ों रुपए के व्यापार करने वाले मनोहर बीड़ी के मालिक नजदीकी जिला और संभाग शहडोल पर अपना ऑफिस बनाकर कर्मचारी तो तैनात किए हैं और उनके ऊपर लाखों रुपए का प्रतिमाह खर्च भी निकालते हैं लेकिन जिस तरह से क्षेत्र में अवैध बीड़ी का बिक्री बढ़ा हुआ है। इतने बड़े पैमाने पर मनोहर बीड़ी की ही रैपर लगाकर सैकड़ों प्रतिष्ठानों पर नहीं लिख पाता क्योंकि एक आम आदमी जो धूम्रपान सेवन करता हो वह भी डुप्लीकेट और ओरिजिनल पर फर्क नहीं निकाल सकता यह फर्क तो कंपनी के लोग ही बता सकते हैं लेकिन जब बेसुध और निक्रिय होकर अपने ऑफिस तक ही सीमित रह जाएंगे तो डुप्लीकेसी करने वालों का तो जलवा ऐसे ही बरकरार रहेगा।

लाखों के कर की चोरी :

कालाबाजारी के इस खेल में वास्तविकता तो यह है कि कई वर्षों से लगातार इस क्षेत्र में मनोहर बीड़ी का काफी दबदबा रहा है और धूम्रपान करने वाले लोग इसे काफी पसंद भी करते थे बताया जाता है कि यह महाराष्ट्र की कंपनी और नेता मंत्री प्रफुल्ल पटेल के कंपनी की पैतृक कार्य के रूप में चलता है निश्चित रूप से पूरे शहडोल संभाग में इस बीड़ी का जलजला रहा है, इसीलिए यहां पर बड़े पैमाने पर इसका इसका डुप्लीकेसी किया जा रहा है जिससे आज स्थिति यह है कि ओरिजिनल बीड़ी से भी ज्यादा डुप्लीकेट बीड़ी ने अपना पैर पसार लिया है जिससे ओरिजिनल बीड़ी का बिकवाली कम हो गया है जिस कारण से शासन को मिलने वाला कर भी कम हो गया है और दबी रूप में बिना बिल के लाखों करोड़ों का व्यापार किया जा रहा है जिससे राजस्व का नुकसान भी हो रहा है।

Source: https://www.rajexpress.co/india/central-india/madhya-pradesh/anuppur-news-fake-bidis-are-being-sold-in-the-name-of-manohar